



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 64 ]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 31, 2000/चैत्र 11, 1922

No. 64]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 31, 2000/CHAITRA 11, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 मार्च, 2000

प्रारम्भिक जांच निष्कर्ष

विषय : इंडोनेशिया से थैलिक एनहाइड्राइड के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच

सं० 29/1/99-डीजीएडी.—सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 ( 1975 में यथा संशोधित ) तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ ( पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण ) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

क. कार्य-पद्धति

1. जांच के लिए निम्नलिखित कार्य-पद्धति अपनाई गई है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को नियमावली के अधीन मै0 थिरुमलाई कैमिकल्स लि0, रानीपेट तथा मै0 हरदिलिया कैमिकल्स लि0, मुम्बई से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है जिसमें इंडोनेशिया (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए थैलिक एनहाइड्राइड के पाटन का आरोप लगाया गया है;
- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किये गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देश से थैलिक एनहाइड्राइड के आयातों की जांच आरंभ करने का निर्णय किया । प्राधिकारी ने

- उक्त नियम के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप के प्राप्त होने की सूचना संबद्ध देश के दूतावास को दी;
- (iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-1 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 2917-3500 के अंतर्गत वर्गीकृत संबद्ध देश के मूल के या वहां से निर्यातित थैलिक एनहाइड्राईड के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरम्भ करते हुए तारीख 16 नवम्बर, 1999 को भारत के राजपत्र, असाधारण में एक सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की;
- (iv) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) तथा उद्योग परिसंघों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें नियम 6(2) के अनुसार अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया;
- (v) प्राधिकारी ने भारत में थैलिक एनहाइड्राईड के ज्ञात आयातकों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी और उनसे पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप से देने के लिए कहा;
- (vi) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से जांच अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के लिए थैलिक एनहाइड्राईड के आयातों का विवरण देने का अनुरोध किया गया था;
- (vii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार याचिका की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश के दूतावास को भेजी;
- (viii) जैसा कि नीचे उल्लेख किया गया है, नियम 6(4) के अनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए याचिकाकर्ता द्वारा यथा इंगित इंडोनेशिया के ज्ञात निर्यातक को प्रश्नावली भेजी:-

### इंडोनेशिया

- मैसर्स पी.टी. पेट्रोविडाडा, ग्रेसिक, ईस्ट जावा, इंडोनेशिया

निर्यातक ने प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया है ।

- (ix) नई दिल्ली में संबद्ध देश के दूतावास को भी नियम 6(2) के अनुसार जांच आरंभ होने की सूचना दे दी गई थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली भर कर भेजने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रति, ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित दूतावास को भी भेजी गई थी;
- (x) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में थैलिक एनहाइड्राईड के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/थोक डीलरों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी:-

- मै0 बर्जर पेंट्स लि0, कलकत्ता
- मै0 सी.जे. शाह एंड कं., मुम्बई
- मै0 गुडलैस नेरोलैक पेंट्स, मुम्बई
- मै0 एच.एम.जी. इंडस्ट्रीज, मुम्बई

- मै0 जयसिंथ डाइकेम लि0, मुम्बई
- मै0 के.एल.जे. पॉलीमर्स एंड केम., नई दिल्ली
- मै0 कोठारी पॉलीमर्स, मध्य प्रदेश
- मै0 लोना इंडस्ट्रीज लि0, मुम्बई
- मै0 नोसिल, मुम्बई
- मै0 पी.सी.एल. ऑयल एंड सॉल्वेंट्स लि0, दमन
- मै0 थैलो कलर्स एंड केम., मुम्बई
- मै एस. बी. एस. लोलुर्स एंड केमिकल्स, मुम्बई
- मै0 श्रीजी प्लास्टिसाइजर्स, दीऊ

तथापि, थैलिक एनहाइड्राईड के निम्नलिखित आयातकों के द्वारा जवाब दिया गया था:-

- मै0 इंडियन प्लास्टिसाइजर्स विनिर्माता परिसंघ, नई दिल्ली

- (xi) क्षति के बारे में याचिकाकर्ता से अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी जो उन्होंने दे दी थी;
- (xii) प्राधिकारी ने, उसके द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में, विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा देखने के लिए खुला रखा;
- (xiii) प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग की मौके पर जांच की;
- (xiv) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में विषयगत माल की ईष्टतम उत्पादन लागत तथा माल को बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाने के लिए लागत जांच भी की गई;
- (xv) \*\*\*\*\* यह चिह्न इस अधिसूचना में याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे ऐसा माने जाने का द्योतक है;
- (xvi) जांच 1 अप्रैल, 1998 से 31 मार्च, 1999 तक की अवधि के लिए की गई ।

## ख. याचिकाकर्ता के विचार

2. याचिकाकर्ता ने थैलिक एनहाइड्राईड के पाटन तथा उसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में निम्नलिखित विचार व्यक्त किए हैं :-

### (i) पाटन के बारे में

(क) पिछले दो वर्षों में इंडोनेशिया से आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है । भारतीय दूतावास के पत्र के अनुसार घरेलू बाजार में वापसी योग्य शुल्कों से रहित कीमत 415 अमरीकी डालर है ।

(ख) संबद्ध देश से आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है । 1996-97 में इंडोनेशिया से पिछली दो तिमाहियों में कुल आयात 126.78 मी.टन हुए जो कुल आयातों का लगभग 10% थे क्योंकि

इसकी तुलना में कुल आयात 1259.136 मी.टन हुए थे। 1997-98 में 6326.449 मी.टन के कुल आयातों की तुलना में बढ़कर ये 4040 मी.टन हो गए जो कुल आयातों का लगभग 64 % थे। वर्ष 1998-99 की पहली तीन तिमाहियों में 5014.131 मी.टन के कुल आयातों की तुलना में ये और बढ़कर 4182.874 मी.टन हो गए जो कुल आयातों का लगभग 83.4 % थे।

(ग) इंडोनेशिया के विनिर्माताओं द्वारा पूर्व दिनांकित कीमत निर्धारण से न केवल भारतीय विनिर्माता ही प्रभावित हुए अपितु अन्य देशों के शेयर भी प्रभावित हुए। चूँकि इंडोनेशिया के विनिर्माताओं द्वारा कीमतें बार-बार सामान्य मूल्य से कम की गई, इसलिए अन्य देशों के विनिर्माता भी बाजार से बाहर हो गए।

## ii क्षति के बारे में

याचिकाकर्ता को क्षति हुई है जैसा कि निम्नलिखित से दिखाई देगा:-

(क) इंडोनेशिया द्वारा उत्पादित पी ए एन की डम्पिंग के कारण भारतीय विनिर्माताओं को वास्तविक क्षति हुई है।

(ख) इंडोनेशिया के आयातों की कीमतें 1996-97 की 21,328 रुपये प्रति मी.टन से घटकर वर्ष 1998-99 में 16793 रु. प्रति मी.टन हो गई।

(ग) वर्ष 1996-97 में इंडोनेशिया से डम्प किए गए आयातों का कुल दृष्टिगोचर बाजार में 0.54% का नाममात्र हिस्सा था जो 1997-98 में बढ़कर 10.40 % तथा 1998-99 में 10.94 % तक हो गया।

(घ) घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 1996-97 में 35% था जो 1997-98 में बढ़कर 47 % और 1998-99 में 47.18 % हो गया।

(ङ.) घरेलू उद्योग का औसत स्टॉक 1996-97 में 1066.35 मी.टन था जो 1997-98 में बढ़कर 3875.2 मी.टन हो गया और 1998-99 में बढ़कर 4522 मी.टन हो गया।

(च) याचिकाकर्ता की घरेलू बिक्री में 1996-97 की तुलना में 1997-98 में 52.83 % की वृद्धि हुई जो 1998-99 में बढ़कर 124 % तक हो गई।

(छ) दृष्टिगोचर बाजार में 1996-97 की तुलना में 1997-98 में 60% की वृद्धि हुई जो 1998-99 में बढ़कर 141 % हो गया । अब दृष्टिगोचर बाजार की तुलना में बाजार हिस्से में याचिकाकर्ता के दावे में कोई वृद्धि नहीं हुई ।

(ज) मैसर्स थिरूमलाई कैमिकल्स लि० के मामले में घरेलू बाजार में थैलिक एनहाइड्राइड की बिक्री कीमत 1996-97 की तुलना में 1997-98 में घट कर 95.53 % हो गई जो 1998-99 में और कम होकर 66.81 % तक रह गई । मैसर्स हरडीलिया कैमिकल्स लिमि. के मामले में यह 1996-97 की तुलना में घटकर 1997-98 में 85.17 % हो गई जो 1998-99 में और कम होकर 68.9 % रह गई ।

(झ) मैसर्स थिरूमलाई कैमिकल्स लि. की लाभप्रदता 1996-97 की तुलना में 1997-98 में घटकर 81.88 % और 1998-99 में और घटकर 172.26 % हो गई । जहाँ तक हरडीलिया कैमिकल्स लि० का संबंध है, 1996-97 की तुलना में यह घटकर 1997-98 में 82.1 % तथा 1998-99 में और कम होकर 160.69 % रह गई ।

(ञ) आवेदकों के अतिरिक्त भारत में अन्य विनिर्माता भी वास्तव में और बुरी तरह से क्षति से प्रभावित हुए हैं :-

- इंडस्ट्रियल डार्स्टफ इंडस्ट्रीज लि० ने 1998 के मध्य में अपना पैन प्लांट बंद कर दिया क्योंकि इंडोनेशिया के पाटन के कारण हो रही हानि को सहन नहीं कर सके ।
- आई जी पेट्रो कैमिकल्स लि०, जो 100 % निर्यात अभिमुख इकाई है, ने वित्तीय वर्ष अक्टूबर, 97-सितम्बर, 98 तक 68 करोड़ रुपये की हानियों की घोषणा की । चालू वर्ष 1998-99 के दौरान और भी हानि हुई ।
- मैसूर पेट्रो कैमिकल्स लि० के चालू वर्ष (अप्रैल, 98-मार्च, 99) की पहली तीन तिमाहियों में 1279.79 लाख रुपए की हानियां हुई ।

(ट) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि नामांकित देश से क्षति से खतरा है क्योंकि संबद्ध देश से आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई और निर्यातकों के पास मुक्त रूप से बिक्री योग्य पर्याप्त क्षमता है । घरेलू कीमतों पर इसके महत्वपूर्ण दबाव अथवा दमनकारी प्रभाव तथा माल-सूचियों की जांच की जा रही है ।

ग. निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचार:

3. आयातकों के विचार:

निर्यातकों/उत्पादकों ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही कोई टिप्पणी प्रस्तुत की है।

आयातकों और/या उपभोक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए हैं और उनका उल्लेख संक्षेप में नीचे किया गया है।

(क) दक्षिण पूर्व एशियाई देश विशेषकर इंडोनेशिया में अभूतपूर्व आर्थिक संकट के कारण वर्ष 1997-98 और उसके बाद में भारत को पी ए एन का अधिकतम निर्यात किया गया। आर्थिक संकट अप्रत्याशित थे। ऑर्थो जाइलीन (पैन की फीड स्टॉक) सहित सभी पेट्रोसायनों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है और इसके परिणामस्वरूप जांच अवधि 1998-99 की अवधि के दौरान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में पैन की कीमतों में गिरावट आई है।

(ख) याचिका में जांच अवधि 1998-99 के लिए पैन के आयात आंकड़े अप्रैल, 1998 से दिसम्बर, 1998 (9 महीनों) के हैं और यह आवश्यक है कि आंकड़ों में समूची जांच अवधि को शामिल किया जाए।

(ग) याचिका में दिए गए आयात आंकड़ों के अनुसार, इंडोनेशिया से अप्रैल, 1998 से दिसम्बर, 1998 के दौरान हुए पैन आयातों का प्रति कि०ग्रा० मूल्य सभी अन्य देशों के औसत मूल्य से अधिक है और इस प्रकार इंडोनेशिया से पैन के आयातों का कोई पाटन नहीं हुआ है ;

(घ) याचिका यह भी दर्शाती है कि स्वदेशी उत्पादन वर्ष 1996-97 की तुलना में 1997-98 के दौरान लगभग 20% अधिक रहा है और इस प्रकार घरेलू उद्योग द्वारा उच्चतर क्षमता उपयोग किया गया है।

। इससे यह पता चलता है कि खुले सामान्य लाइसेंस के अंतर्गत होने वाली आयातों के जरिए पैन का पाटन नहीं किया गया है और आयातों का घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।

(ङ) 100 % निर्यातोन्मुख एकक नीति के अंतर्गत लागू शुल्कों का भुगतान करने पर निर्यातों के एफ ओ बी मूल्य का 50% तक बिक्री घरेलू टैरिफ क्षेत्र में करने की अनुमति दी गई है और आई जी पेट्रोकेमिकल्स लिमि०, घरेलू बाजार में पैन की बिक्री कर रही है। इसके अलावा, आपूर्तियां निर्यात उत्पादन/अग्रिम और आर ई पी लाइसेंसों पर भी की जा

सकती हैं। इस प्रकार आई जी पेट्रोकेमिकल्स को एक घरेलू उत्पादक के रूप में नहीं मानना उचित नहीं होगा। यही बात इंडियन डाइस्टफ इंडस्ट्रीज पर लागू होती है भले ही उन्होंने इंडोनेशिया से पैन का आयात किया है। इसके अलावा एशियन पेन्ट्स और मैसूर पेट्रोकेमिकल्स को घरेलू उद्योग में शामिल करने की आवश्यकता है।

(च) रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय पैन के लिए प्रशासनिक मंत्रालय है और पाटनरोधी याचिका पर उनके विचार/टिप्पणियाँ अवश्य प्राप्त किए जाने चाहिए।

(छ) थिरुमलाई और हरदिलिया का निर्यात मूल्य वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक निर्यात वसूली के निर्धारण के लिए नहीं दिया गया है। इसके अलावा पैन के पाटन, यदि कोई हुआ है, के निर्धारण के लिए, आई जी पेट्रोकेमिकल्स और अन्यो की निर्यात वसूली की तुलना इंडोनेशिया से आयातों के साथ करने की जरूरत है।

(ज) वर्ष 1997-98 और 1998-99 के दौरान पैन के घरेलू बिक्री मूल्य में गिरावट विश्व में पेट्रोरसायनों की मंदी और पेट्रोरसायनों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में अचानक गिरावट के कारण आई है। इसके अलावा पेट्रोरसायन अत्यधिक संवेदनशील होते हैं और इनकी कीमतें कच्चे तेल की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के साथ-साथ घटती बढ़ती रहती हैं। जांच अवधि के दौरान इंडोनेशिया सहित सभी देशों द्वारा पैन कीमतों को घटाया गया है। इस प्रकार वर्ष 1998-99 के दौरान पैन के कम कीमतों पर आयात को भारत में पाटन के रूप में नहीं देखा जा सकता है और याचिकाकर्ताओं द्वारा चयनित जांच अवधि उपयुक्त नहीं है।

(झ) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के लिए आधार और अमरीकी डालर में लिए गए मूल्य का संकेत दिए बगैर 18% का पाटन मार्जिन निकालना उपयुक्त नहीं है और इसके लिए ब्यौरे/आधार बतलाते हुए इसे स्पष्ट करने की आवश्यकता है ;

(ञ) वर्ष 1998-99 के दौरान पैन की कीमतों में गिरावट एक वैश्विक घटना है और इंडोनेशिया के बारे में कोई असाधारण बात नहीं है ;

(ट) घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा में गिरावट इत्यादि दो एककों अर्थात् आवेदनकर्ताओं के एककों पर आधारित है। इसे समग्र उद्योग जिसमें छः इकाईयाँ शामिल हैं पर आधारित होना चाहिए ;

(ठ) सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों के निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया की जब तक व्याख्या नहीं की जाती है और रिकार्डों से उसकी पुष्टि नहीं की जाती है तब तक इन मूल्यों को कथित पाटन के लिए नहीं लिया जा सकता है।

(ड) थैलिक एनहाईड्रिड का पर्याप्त रूप से संरक्षण रूपया अवमूल्यन करके और कच्ची सामग्रियों पर कम शुल्क लगाकर तथा पैन के आयातों पर 35 % की दर से अधिक शुल्क लगाकर और 35% की दर से प्रभार लगाकर और कुल 38.5% शुल्क लगाकर किया जाता है। इसके अलावा, 4 % की दर पर सैड लगाया जाता है जो थैलेट प्लास्टिसाइजर्स के 4 % के बराबर है। सरकारी घोषणा और चेलैय्या तथा अन्य समितियों की स्वीकृत नीतियों के अनुसार, पैन जैसे मध्यवर्ती उत्पादों पर आयात शुल्क परिष्कृत थैलेट प्लास्टिसाइजर्स पर लगाने वाले आयात शुल्क से कम होगा। पैन को मिल रहे इस अनुचित संरक्षण से थैलेट प्लास्टिसाइजर्स का अधिक मात्रा में आयात हो रहा है। इस प्रकार, पैन को पहले से ही उच्च संरक्षण मिल रहा है और इंडोनेशिया से भारत में होने वाले आयातों पर और पाटन रोधी शुल्क लगाने का कोई औचित्य नहीं है।

(ढ) स्थानीय विनिर्माता के संयंत्र इतने अलाभकारी, असक्षम हैं कि वे अंतर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी उन्नयन का मुकाबला नहीं कर सकते हैं। स्थानीय संयंत्रों की वार्षिक क्षमता और वर्तमान उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की जरूरत है ताकि स्थानीय मांग एवं निर्यातों को पूरा किया जा सके।

(ण) थैलेट प्लास्टिसाइजर्स का निर्माण अनन्य रूप से लघु क्षेत्र के लिए आरक्षित होता है और अधिकांश एकक लघु उद्योग क्षेत्र में हैं। यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से काफी रोजगार प्रदान कर रहा है। वे स्थानीय प्लास्टिसाइजर्स विनिर्माता थैलेट प्लास्टिसाइजर्स का अत्यधिक आयात होने के कारण कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं जो डी बी पी और डी ओ पी का निर्यात बहुत कम कीमतों पर कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में, पैन पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से इसके बन्द हो जाने के कारण बेरोजगारी बहुत बढ़ जाएगी।

(त) घरेलू विनिर्माताओं को पैन के आयातों के कारण कोई नुकसान नहीं हो रहा है। पैन की कोई नई/अतिरिक्त क्षमता क्रियान्वयन के अधीन अथवा अनुमोदित नहीं है और मौजूदा एककों में से कोई भी एकक लागत के रूप में अपने उत्पादन को प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु अंतर्राष्ट्रीय स्तर प्राप्त करने के लिए अपनी प्रौद्योगिकी का उन्नयन करने और उसका विस्तार करने का इच्छुक नहीं है।

(थ) चूँकि स्थानीय विनिर्माताओं के पास पर्याप्त स्टॉक नहीं है और कीमतों में वृद्धि हो रही है इसलिए इससे यह भी स्थापित होता है कि भारत में पैन का कोई पाटन नहीं हुआ है।

(द) भारतीय उच्चायुक्त के केवल पत्र के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा पाटन का दावा किया जाना भ्रामक निष्कर्ष होगा क्योंकि विदेशों में प्रचलित घरेलू कीमतों की समुचित जांच करने के लिए भारतीय उच्चायुक्त सक्षम प्राधिकारी नहीं है।

### उठाए गए मुद्दों की जांच

निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं और अन्य इच्छुक पार्टियों द्वारा प्रस्तुत की गई टिप्पणियों की जांच की गई है और इस मामले के बारे में नियमों एवं इस पर प्रभाव के संदर्भ में



उठाए गए मुद्दों पर विचार किया गया है तथा अधिसूचना में उचित स्थानों पर उन पर विचार किया गया है।

#### घ. विचाराधीन उत्पाद और जांच का दायरा

4. वर्तमान जांच में जिस उत्पाद पर विचार किया गया है वह इंडोनेशिया मूल का अथवा वहां से निर्यातित थैलिक एनहाइड्रिड है। थैलिक एनहाइड्रिड (पैन) को भी कई नामों से जाना जाता है जैसे थैलिक एनहाइड्रिड फ्लेक्स, थैलिक एनहाइड्रिड (न्यूनतम 98%) थैलिक एसिड एनहाइड्राउस इत्यादि)। थैलिक एनहाइड्रिड सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2917.3500 के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी प्रकार वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

#### ड. समान वस्तुएं

5(क) पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह स्पष्ट किया गया है कि "समान वस्तुओं" का तात्पर्य एक ऐसी वस्तु से है जो जांच की जा रही वस्तु से हर दृष्टि में एक रूप हो अथवा समान हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में अन्य वस्तु में जांच की जा रही वस्तुओं से मिलते-जुलते सभी गुण मौजूद हों।"

(ख) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित एवं बिक्री किया गया थैलिक एनहाइड्रिड में एक समान गुण मौजूद हैं और उन्हें एक समान वस्तु माना जाए। उन्होंने दावा किया है कि यह साधारण एवं विनिर्देशनों वाला एक मानक उत्पाद है; भारत में निर्मित उत्पाद है, इस उत्पाद में वही विनिर्देशन मौजूद हैं जो अमेरिका, इंडोनेशिया, कोरिया, ताइवान इत्यादि के उत्पादों में है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि थैलिक एनहाइड्रिड का कोई प्रतिस्थापन नहीं है। विनिर्माण प्रक्रिया के बारे में याचिकाकर्ता ने स्पष्ट किया है कि हमारे द्वारा उत्पादन किए जा रहे पैन की विनिर्माण प्रक्रिया में और विश्व के अन्य विनिर्माताओं द्वारा उत्पादित पैन की विनिर्माण प्रक्रिया में कोई खास अंतर नहीं है। प्रक्रिया और संयंत्र एक जैसे हैं।

(ग) इसको देखते हुए प्राधिकारी का यह मानना है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किए जा रहे थैलिक एनहाइड्रिड और संबंधित देश से आयात किए जा रहे थैलिक एनहाइड्रिड का एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है और इस प्रकार ये वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए नियमों के अर्थों के भीतर समान वस्तुएं हैं।

च. घरेलू उद्योग:

6. यह याचिका मै0 हरदिलिया कैमिकल्स लि0 तथा मै0 तिरुमलाई कैमिकल्स लि0 द्वारा दायर की गई है जिनके पंजीकृत कार्यालय क्रमशः रानीपेट तथा मुम्बई में स्थित हैं। याचिकाकर्ताओं का घरेलू उद्योग में थैलिक एनहाइड्राईड के उत्पादन का 50 % से अधिक का हिस्सा बनता है। इसलिए याचिकाकर्ताओं का भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है तथा वे, घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने के लिए अपेक्षित मानदण्ड पूरे करते हैं, जैसाकि नियमों के तहत अपेक्षित है।

छ. पाटन:

इंडोनेशिया के निर्यातक

सामान्य मूल्य

7. प्राधिकारी ने धारा 9 क(1)ग के नियमों के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य की जांच की है।

8.(क) प्राधिकारी ने उपरोक्त धारा के अनुसार जांच से संबंधित सूचना और टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए इंडोनेशिया के निर्यातकों को अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत में इंडोनेशिया के दूतावास को भी लिखा। परन्तु, सूचना भेजने के प्राधिकारी के अनुरोध का किसी भी निर्यातक ने कोई जबाब नहीं दिया है।

(ख) सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे पर भी किसी हितबद्ध पक्ष (क्षों) द्वारा विवाद नहीं किया गया है। इस प्रकार, प्राधिकारी ने नियम 6(8) अर्थात् सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कार्यवाही की है।

निर्यात कीमत

निर्यात कीमत का निर्धारण डीजीसीआइएण्डएस द्वारा संकलित सूचना के आधार पर किया गया है। याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार औसत कीमत का समायोजन बीमा, स्वदेशी भाड़े, विदेशी भाड़े के लिए किया जाता है।

पाटन मार्जिन

9. तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार व्यवस्था है :-

"पाटन मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतया कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथसंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभावशालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी ; अन्तर में शामिल हैं - बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा कोई अन्य अन्तर जो कीमत तुलनीय को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

10. जैसा कि ऊपर विचार किया गया है, सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर इंडोनेशिया से हुए निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन 13 % है।

#### ज क्षति एवं कारणात्मक संबंध :

11. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से कीमतों में पर्याप्त कटौती हुई है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों में अन्यथा पर्याप्त मात्रा में कमी करना या कीमतों में होने वाली ऐसी वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में बढ़ गई होती।
12. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमों के अनुबंध - II (iv) के अनुसार ऐसे सूचकों पर विचार किया जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है, जैसेकि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभ प्रदत्ता, कुल बिक्री आय, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि।
13. घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दर्शाने वाले विभिन्न मापदण्ड निम्नानुसार हैं :-

#### (क) उत्पादन

याचिकाकर्ता कंपनी का उत्पादन 1996-97 में हुए 33802 मी० टन से बढ़कर 1997-98 में 45030 मी० टन तथा जांच अवधि में बढ़कर 45107 मी० टन हो गया है।

#### (ख) बिक्री मात्रा

याचिकाकर्ता की कुल बिक्री 1996-97 में 100% (आधार वर्ष) से बढ़कर 1997-98 में 110.5% और जांच अवधि के दौरान बढ़कर 147.35% हो गई लेकिन याचिकाकर्ता के बाजार हिस्से में प्रत्यक्ष बाजार में हुई वृद्धि की तुलनानुसार वृद्धि नहीं हुई है।

(ग) क्षमता उपयोग

घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 1996-97 में 35% से बढ़कर 1997-98 में 47% और 1998-99 में 47.18 % हो गया है ।

(घ) बिक्री प्राप्ति

वर्ष 1997-98 के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी की औसत बिक्री प्राप्ति \*\*\* रुपए प्रति ~~मी.टन~~ की थी । जांच अवधि के दौरान बिक्री प्राप्ति में कमी आई थी और यह \*\*\* रुपए प्रति ~~मी.टन~~ हो गयी थी । तथापि, इस अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी की बिक्री प्राप्ति उसकी उत्पादन लागत से कम थी ।

(ङ) लाभ प्रदता

31 मार्च, 1997 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी को थैलिक एम्हाइड्राईड के प्रचालन से हुआ लाभ \*\*\* लाख रुपए का था । वर्ष 1997-98 के दौरान यह लाभ और अधिक घटकर \*\*\* लाख रुपए हो गया और यह वर्ष 1998-99 के दौरान यह आगे और कम होकर \*\*\* लाख रु0 हो गया ।

(च) अंतिम स्टॉक

घरेलू उद्योग का औसत स्टॉक 1996-97 में 1066.35 मीट्रिक टन से बढ़कर 1997-98 में 3875.2 मीट्रिक टन हो गया और 1998-99 में यह आगे और बढ़कर 4522 मीट्रिक टन हो गया ।

(घ) कुल आयात

इंडोनेशिया से हुए पाटित आयात वर्ष 1996-97 में कुल प्रत्यक्ष बाजार के 0.54 % के नगण्य स्तर से बढ़कर 1997-98 में 10.40 % तक और 1998-99 में बढ़कर 10.94% तक हो गए हैं ।

(ज) कीमत में कमी

इंडोनेशियाई आयातों की कीमतें 1996-97 में 21,328 रु0 प्रति मी0 टन से कम होकर वर्ष 1998-99 में 16793 रु0 प्रति मी0 टन हो गई ।

14. इसलिए, प्राधिकारी उपरोक्त से यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से हुए आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से कम कीमतों पर हुए हैं। इसके अतिरिक्त भारत में हुए आयात घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम कीमत पर हुए हैं। इसके परिणामस्वरूप, याचिकाकर्ता को अपनी उचित बिक्री कीमत से काफी कम कीमत पर अपने उत्पाद को बेचने के लिए बाध्य होना पड़ा था जिसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता को वित्तीय हानि हुई है। याचिकाकर्ता को बाजार मांग में हुई वृद्धि की तुलना में क्षमता उपयोग के स्तर में वृद्धि करने से भी रोका गया था। ये मापदण्ड सामूहिक एवं संचयी रूप से यह दर्शाते हैं कि याचिकाकर्ता को पाटित आयातों की वजह से वास्तविक क्षति हुई है।

### अ भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे :

15. सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे याचिकाकर्ता कंपनियों को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है।
16. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब, जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि याचिकाकर्ता कंपनियों को हुए नुकसान को कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटन द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त करने का उद्देश्य यह है कि याचिकाकर्ता कंपनियों के ह्रास को रोका जाए और इस प्रकार थैलिक एनहाइड्राइड के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रहें। पाटनरोधी उपायों से सम्बद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार प्रतिबंधित नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।
17. याचिकाकर्ता कंपनियों को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की मात्रा को सुनिश्चित करने के निमित्त, प्राधिकारी याचिकाकर्ता कंपनियों के लिए क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर उत्पादन की अधिकतम लागत पर विचार करके भारत में याचिकाकर्ता कंपनियों के लिए थैलिक एनहाइड्राइड की क्षति रहित बिक्री कीमत पर विश्वास कर सकते हैं।

**ज. पहुंच मूल्य**

18. जैसाकि पाटन से संबंधित पैरा में उल्लेख किया गया है पहुंच मूल्य का निर्धारण इंडोनेशिया से थैलिक एन्हाइड्राईड की निर्यात कीमत के आधार पर, उसमें प्रचालित स्तर तक सीमाशुल्क और 1 प्रतिशत उतराई प्रभार के लिए तथा 2 प्रतिशत रख-रखाव के लिए जोड़ने के बाद किया गया है।

**ट. निष्कर्ष:**

19. उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:
- (क) इंडोनेशिया मूल के या वहाँ से निर्यातित थैलिक एन्हाइड्राईड (पीएएन) सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर भारत में निर्यात किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ।
- (ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- (ग) उक्त क्षति सम्बद्ध देश से आयातों के कारण हुई है।
20. यह आवश्यक समझा गया है कि अन्तिम निर्धारण होने तक इंडोनेशिया मूल के या वहाँ से निर्यातित थैलिक एन्हाइड्राईड के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।
21. प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क की राशि पाटन मार्जिन के बराबर अथवा ऐसे कम शुल्क की सिफारिश करने पर विचार किया है जिसे यदि लगाया जाता तो उससे घरेलू उद्योग की क्षति समाप्त हो जाएगी। इस उद्देश्य के लिए आयातों की औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कम्पनी की क्षति-रहित बिक्री कीमत से की गई थी। जहाँ कहीं यह अंतर पाटन मार्जिन से कम था, वहाँ पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है। यह आवश्यक समझा गया है कि अन्तिम रूप से निर्धारण होने तक इंडोनेशिया मूल के या वहाँ से निर्यातित थैलिक एन्हाइड्राईड के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।
22. तदनुसार, प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि इंडोनेशिया मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित थैलिक एन्हाइड्राईड के सभी आयातों पर अनन्तिम शुल्क लगाया जाए। यह पाटनरोधी शुल्क नीचे दी गई सारणी में दर्शाई गई राशि के अनुसार होगा, जो सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 29 के अधीन आने वाले नीचे दर्शाए गए देश के मूल के या वहाँ से निर्यातित थैलिक एन्हाइड्राईड के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाया जाएगा।

क्र.सं.	निर्यातक	राशि(रुपए प्रति मी. टन)
1.	इंडोनेशिया: सभी निर्यातक	786

23. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के सीमाशुल्कों और सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा निर्धारित निर्धारणीय मूल्य होगा।

ठ. आगे की प्रक्रिया

24. प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:-

- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम निष्कर्ष निकालते समय विचार किया जाएगा;
- (ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध ज्ञात पार्टियों को अलग से संबोधित किया जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के अन्दर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;
- (ग) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक और उसके बाद लिखित उत्तर के लिए अवसर प्रदान करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी यथोचित सीमा तक आगे जांच करेंगे।
- (ङ.) अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY****(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st March, 2000

**Preliminary Findings**

**Subject: - Anti-Dumping investigation concerning imports of Phthalic Anhydride from Indonesia.**

**29/1/99-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof :

**A. PROCEDURE**

- 1 The procedure described below has been followed with regard to the investigations:
  - i The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the Rules, received written application from M/s. Thirumalai Chemicals Ltd., Ranipet and M/s Herdillia Chemicals Ltd., Mumbai, alleging dumping of Phthalic Anhydride, originating in or exported from the Indonesia (hereinafter referred to as subject country);
  - ii The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioners, decided to initiate investigations against imports of Phthalic Anhydride from the subject country. The Authority notified the Embassy of the subject country about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
  - iii The Authority issued a public notice dated 16<sup>th</sup> November, 1999 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of Phthalic Anhydride classified under custom sub-headings 2917-3500 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975, originating in or exported from the subject country;



- iv The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioners) and industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with rule 6(2);
- v The Authority forwarded a copy of the public notice to the known importers of Phthalic Anhydride in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- vi Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of Phthalic Anhydride for the past three years, including the period of investigations.
- vii The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with rules 6(3) supra;
- viii The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporter from Indonesia as indicated by the petitioner, as mentioned below in accordance with the Rule 6(4):-

### **Indonesia**

- M/s P.T. Petrowidada, Gresik, East Java, Indonesia

Exporter has not responded to the questionnaire.

- ix. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassy, along with a list of known exporters/producers;
- x A questionnaire was sent to the following known importers/ wholesale dealers of Phthalic Anhydride in India calling for necessary information in accordance with rule 6(4):
  - M/s Berger Paints Ltd, Calcutta
  - M/s C.J. Shah & Co, Mumbai
  - M/s Goodlass Nerolac Paints, Mumbai.

- M/s HMG Industries, Mumbai
- M/s Jaysynth Dyechem Ltd., Mumbai
- M/s KLJ Polymers & Chem, New Delhi
- M/s Kothari Polymers, Madhya Pradesh
- M/s Lona Industries Ltd., Mumbai
- M/s NOCIL, Mumbai
- M/s PCL Oil & Solvents Ltd, Daman
- M/s Phthalo Colours & Chem, Mumbai
- M/s SBS Colures & Chemiques, Mumbai
- M/s Shreeji Plasticisers, Diu

The response was, however, filed by the following importers of Phthalic Anhydride: -

- ◆ M/s Indian Plasticizers Manufacturers Association, New Delhi

- xi. Additional information regarding injury was sought from the petitioner, which was also received;
- xii. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;
- xiii. The Authority conducted spot verification of the domestic industry to the extent considered necessary.
- xiv. Cost investigations were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner;
- xv. \*\*\*\* in this notification represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xvi. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April, 1998 to 31<sup>st</sup> March, 1999.

**B. PETITIONER'S VIEWS:**

2. The petitioner has expressed the following views with regard to dumping of Phthalic Anhydride and the injury to domestic industry as a consequence thereof:

**i) ON DUMPING:**

- (a) Imports from Indonesia have gone up considerably in the past two years. The price in the domestic market as per the Indian Embassy letter is US\$415 nett of any refundable levies.
- (b) The imports from the subject country have substantially increased. The total imports in last two quarters of 1996-97 from Indonesia was 126.78 MT as against total imports of 1259.136 MT which was around 10% of the total imports increased to 4040 MT in 1997-98 as against total imports of 6326.449 MT which was around 64% of the total imports further increased to 4182.874 MT in first three quarters of 1998-99 as against total imports of 5014.131 MT which was around 83.4% of the total imports.
- (c) Predatory Pricing by Indonesian manufacturers has affected not only Indian manufacturers but have also affected share of other countries. As the price was lowered repeatedly by the Indonesian manufacturers below normal value, manufacturers from other countries have also been driven out of the market.

**ii) ON INJURY:**

The petitioner has suffered injury as would be seen from the following: -

- (a) There has been a material injury to the Indian manufacturers because of the dumping resorted to by the Indonesian PAN produced.
- (b) The prices of Indonesian imports fell from Rs.21, 328 PMT in 1996-97 to Rs.. 16793 PMT in the year 1998-99.
- (c) Dumped imports from Indonesia have grown from an insignificant 0.54% in 1996-97 to 10.40% in 1997-98 and 10.94% in 1998-99 of the total apparent market.

- (d) Capacity utilisation of the domestic industry has increased from 35% in 1996-97 to 47% in 1997-98 to 47.18% in 1998-99.
- (e) The average stock of the domestic industry has increased from 1066.35 MT in 1996-97 to 3875.2 MT in 1997-98 further increased to 4522 MT in 1998-99.
- (f) The domestic sales of the petitioner's have increased by 52.83% in 1997-98 to 124% in 1998-99 as compared to 1996-97.
- (g) The apparent market has increased by 60% in 1997-98 to 141% in 1998-99 as compared to 1996-97. Thus the petitioner's stake in market share is not increased as compared to growth in apparent market.
- (h) The selling price of Phthalic Anhydride in domestic market has gone down in case of M/s Thirumalai Chemicals Ltd. to 95.53% in 1997-98 further gone down to 66.81% in 1998-99 as compared to 1996-97. In case of M/s Herdillia Chemicals Ltd. this has gone down to 85.17% in 1997-98 further gone down to 68.9% in 1998-99 as compared to 1996-97.
- (i) The profitability of M/s Thirumalai Chemicals Ltd. has gone down by 81.88% in 1997-98 further gone down by 172.26% in 1998-99 as compared to 1996-97. In case of Herdillia Chemicals Ltd. it has gone down by 82.1% in 1997-98 further gone down to 160.69% in 1998-99 as compared to 1996-97.
- (j) Apart from the applicants, the other manufacturers in India have also been injured materially and severely:-
- ◆ Industrial Dyestuff Industries Ltd. (IDI) has closed down its PAN plant with effect from Mid 1998 because it has been unable to withstand the losses arising out of Indonesian dumping.
  - ◆ IG Petro Chemicals Ltd, a 100% EOU, has announced losses of Rs.68 crores for the financial year Oct. 97-Sep 98 and further losses during the current year 1998-99.
  - ◆ Mysore Petro Chemicals Ltd has incurred losses of Rs.1279.79 lacs in the first three quarters of the current year (Apr 98 –Mar 99).
- (k) The petitioner's have claimed that there is a threat of injury from the named country because of a significant increase in imports from subject country, exporters has sufficient freely disposable capacity, significant depressing or suppressing effect on domestic prices and inventories of articles being investigated.

C. **VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES:**

3. **VIEWS OF IMPORTERS:**

The exporters/producers has neither responded to the Authority nor offered any comments.

The importers and/or consumers have expressed their views, and the same are briefly mentioned below:-

- (a) Due to unprecedented economic crises in South East Asian country especially Indonesia lead to higher exports of PAN to India during 1997-98 and subsequently. The economic crises were unforeseen. There has been sharp fall in the prices of all Petrochemicals including ortho-xylene (feed stock of PAN) and this resulted to the fall in the PAN prices during the period of investigation 1998-99 in the local and international markets.
- (b) The Import Statistics of PAN for 1998-99 period of investigation in the Petition are from April 1998 to December, 1998(9 months) and it is necessary that statistics should cover the full period of investigation.
- (c) As per Import data provided on the petition, the value per Kg. of PAN imports from Indonesia is higher than the average value of all other country during April 1998 to December, 1998 and thus no dumping has taken place of Imports of PAN from Indonesia;
- (d) The petition also shows that the indigenous production during 1997-98 has been about 20% higher than 1996-97 leading to higher Capacity utilisation by the local industry. It establishes that there has been no dumping of PAN through imports covered under OGL and imports have not affected the local industry adversely.
- (e) Under the policy of 100% EOU it is permitted to sell upto 50% of the FOB value of exports in the DTA subject to payment of applicable duties and IG Petrochemicals Ltd. is selling PAN in the local market. In addition, the supplies could be made against Export Production/Advance and REP Licenses. Thus it would not be appropriate not to treat IG Petrochemicals as a domestic

producer. The same applies to Indian Dyestuff Industries even if they have imported PAN from Indonesia. Further Asian Paints and Mysore Petrochemicals need to be included as domestic producers;

- (f) Department of Chemicals and Petrochemicals, Ministry of Chemicals & Fertilizers is the Administrative Ministry for PAN and their views/comments on the Anti Dumping petition must be obtained;
- (g) Thirumalai's and Herdillia's value of Exports during 1996-97 to 1998-99 has not been given to arrive at export realisation. Further export realisation of IG Petrochemicals and others need to be compared with the imports from Indonesia to determine dumping of PAN, if any.
- (h) The drop in PAN local sale price during 1997-98 and 1998-99 is on account of recession of Petrochemicals in the World and sudden drop in the International prices of Petrochemicals. Besides the Petrochemicals are highly sensitive and fluctuate with the crude prices internationally. The PAN prices have been lowered by all country including Indonesia during the period of investigation. Thus the imports of PAN during 1998-99 at lower prices cannot be treated as dumping to India and the period of investigation selected by the Petitioners is not appropriate.
- (i) Without indicating the basis and value taken in US\$ for Normal Value and Export Price, arriving at a dumping margin of 18% is not appropriate and needs to be spelt out with details/basis;
- (j) The fall in the prices of PAN is a Global phenomenon during 1998-99 and there is nothing peculiar about Indonesia;
- (k) Capacity utilization of domestic industry, decrease in sales volume etc. have been based on two units, i.e. Applicants units. This should have been based on the industry as a whole constituting of six units;
- (l) Unless the methodology adopted by the Petitioners for arriving at Normal Values and Export Prices is explained and duly substantiated by records, these values cannot be taken for alleged dumping;
- (m) Phthalic Anhydride is adequately protected by rupee devaluation and by lower levies on raw materials and the high duty on imports of PAN @35% and

surcharge @ 3.5% totaling 38.5% with Sadd @ 4% is at par with Phthalate Plasticizers. As per Government announcement and accepted policies of Chelliah and other Committees, the Import Duty on Intermediates like PAN has to be lower than the finished Phthalate Plasticizers. This undue protection to PAN is affecting the increase in the prices of Phthalate Plasticizers leading to larger imports of the Plasticizers. Thus PAN is already enjoying high protection and there is no justification for further levy of anti dumping duty on imports of PAN to India from Indonesia;

- (n) The local manufacturer's plants are too uneconomic, inefficient to compete with the international technological upgradation. The Annual capacities of the local plants and present production capacity need to be stepped up to meet the local demand and exports;
- (o) The manufacture of Phthalate Plasticizers is exclusively reserved for the Small-scale sector and most of the units are in SSI sector. This sector is providing a lot of direct and indirect employment. The local Plasticizers manufacturers are facing stiff competition due to heavy imports of Phthalate Plasticizers who are exporting DBP and DOP at very low prices. In the circumstances, the levy of anti dumping duty on PAN would lead to the massive unemployment due to the closure of the PAN;
- (p) There is no injury due to imports of PAN to indigenous manufacturers. No new/additional capacity of PAN is either under implementation or approved and none of the existing units are keen to upgrade their technology and effecting expansions to achieve the International scales of production to be cost competitive;
- (q) As the local manufactures are not having adequate stocks and there is rise in the prices, it further establishes that there is no dumping of PAN into India.
- (r) Claim of dumping by domestic industry only on the basis of letter from Indian High Commissioner would be misleading conclusion because the Indian High Commissioner is not competent authority to properly check prevailing domestic prices abroad.

### **EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED:**

The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and issues raised with reference to the

Rules and having a bearing on this case have been considered and dealt with at appropriate places in the notification.

**D. PRODUCT UNDER CONSIDERATION & SCOPE OF INVESTIGATION:**

4. The product considered in the present investigation is Phthalic Anhydride originating in or exported from Indonesia. Phthalic Anhydride (PAN) also variously referred to as Phthalic Anhydride Flakes, Phthalic Anhydride (98% min) Phthalic Acid Anhydrous etc.). Phthalic Anhydride is classified, under the Custom-sub heading 2917.3500 of the Custom Tariff Act, 1975. The classification is, however, indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

**E. LIKE ARTICLES:**

5. (a) Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules specifies that “Like Articles” means an article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.
- (b) The petitioner has claimed that the Phthalic Anhydride produced and sold by them and those imported from the subject country have similar characteristics and should be treated as Like Articles. They have claimed that this is a standard product with simple and uniform specifications; products made in India, is of the same specifications as those made in USA, Indonesia, Korea, Taiwan, etc. They have also claimed that there is no substitute of Phthalic Anhydride. Regarding manufacturing process, Petitioner explained that there is no major difference in the manufacturing process of PAN being produced by us and that produced by other manufacturers worldwide. The process and plants are identical.
- (c) In view of the same, the Authority holds that Phthalic Anhydride being produced by the domestic industry and those being imported from the subject country can be used interchangeably and thus are commercially and technically substitutable and therefore, are Like Articles within the meaning of the Rules.



**F. DOMESTIC INDUSTRY:**

6. The petition has been filed by M/s. Herdillia Chemicals Ltd. and M/s Thirumalai Chemicals Ltd. Ltd. having its Registered Office at Ranipet and Mumbai respectively. The petitioners account for more than 50% of production of Phthalic Anhydride in the domestic industry. Therefore, the petitioners account for a major proportion of the production of the subject goods in India and fulfil the requisite criteria to represent the domestic industry, as required under the Rules.

**G. DUMPING:****EXPORTER FROM INDONESIA:****NORMAL VALUE:**

7. The Authority has examined Normal Value in relation to an article as per the Rules in Section 9A(1)(c).
8. (a) The Authority provided opportunity to the exporters from Indonesia to furnish information relevant to the investigations and offer comments, if any, in accordance with the Section cited above. The Authority also wrote to the Embassy of Indonesia in India. However, none of the exporters from the subject country have responded to the Authority's request for information.
- (b) The claim made by the petitioner with regard to the determination of normal value has also not been disputed by any interested party (ies). The Authority has, therefore, proceeded on the basis of Rule 6(8), i.e., best information available.

**EXPORT PRICE**

The export price has been determined on the basis of the information compiled by the DGCI&S. The average export price has been adjusted for insurance, inland freight, overseas freight as claimed by the petitioner.

## **DUMPING MARGIN**

9. The Rules relating to comparison provides as follows:

“While arriving at margin of dumping, the designated authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.”

10. Based on the Normal Value and the Export Price, as discussed above, the dumping margins in respect of the Indonesian exports are 13%.

## **H. INJURY & CAUSAL LINK:**

11. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the Like Article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
12. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the rules supra.
13. The various parameters indicating injury to the domestic industry are as follows: -

### **(a) PRODUCTION:**

The production of the petitioner company has increased from 33802 MT in 1996-97 to 45030 MT in 1997-98 to 45107 MT in the period of investigation.

(b) **SALES QUANTITY:**

The total sales of the petitioner's has increased 100%(base year) in 1996-97 to 110.5% in 1997-98 to 147.35% during the period of investigation but the petitioner's market share has not increased as compared to growth in apparent market.

(c) **CAPACITY UTILISATION:**

Capacity utilisation of the domestic industry has increased from 35% in 1996-97 to 47% in 1997-98 to 47.18% in 1998-99.

(d) **SALES REALISATION:**

The average sales realisation of the petitioner company during 1997-98 was Rs.\*\*\*\*/MT. There was a decline in the sales realisation during the period of investigation and the same was at Rs.\*\*\*\*/MT. However, the sales realisation of the Petitioner Company during the period was below its cost of production.

(e) **PROFITABILITY:**

During the financial year ending 31<sup>st</sup> March, 1997, the profit of the company from the Phthalic Anhydride operation was Rs.\*\*\*\* lacs. The profit further reduced to Rs.\*\*\*\* lacs during the year 1997-98 further gone into loss \*\*\*\* lacs during the year 1998-99.

(f) **CLOSING STOCK**

The average stock of the domestic industry has increased from 1066.35 MT in 1996-97 to 3875.2 MT in 1997-98 further increased to 4522 MT in 1998-99.

(g) **TOTAL IMPORTS:**

Dumped imports from Indonesia have grown from an insignificant 0.54% in 1996-97 to 10.40% in 1997-98 and 10.94% in 1998-99 of the total apparent market.

(h) **PRICE SUPPRESSION:**

The prices of Indonesian imports fell from Rs.21,328 PMT in 1996-97 to Rs.16793 PMT in the year 1998-99.

14. The Authority, therefore, notes from the above that the imports from the subject country have been at a price below the selling prices of the domestic industry. Further, the imports into India have been at a price lower than the non-injurious price for the domestic industry. As a consequence thereof the petitioner was forced to sell its product at a price significantly below its reasonable selling price resulting in financial losses to the petitioner. The petitioner was also prevented from increasing the level of capacity utilisation as compare to growth in market demand. These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury due to the dumped imports.

I. **INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:**

15. The purpose of anti dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the petitioner companies and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.
16. It is recognised that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures, particularly if the levy of the anti dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the petitioner companies. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the petitioner companies and help maintain availability of wider choice to the consumers of Phthalic Anhydride. Imposition of anti dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
17. To ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the petitioner companies, the Authority has relied upon non - injurious selling price of Phthalic Anhydride in India for the petitioner companies, by considering the optimum cost of production at optimum level of capacity utilisation for the petitioner companies.

**J. LANDED VALUE:**

18. The landed value has been determined on the basis of export price of Phthalic Anhydride from Indonesia as detailed above in the para relating to dumping, after adding the prevailing level of customs duties and one percent towards landing and two percent towards handling charges.

**K. CONCLUSIONS:**

19. After considering the foregoing the Authority concludes that:
- (a) Phthalic Anhydride (PAN) originating in or exported from Indonesia has been exported to India below normal value, resulting in dumping;
  - (b) The Indian industry has suffered material injury ;
  - (c) The injury has been caused by the imports from the subject country.
20. It is considered necessary to impose anti dumping duty, provisionally, pending final determination, on all imports of Phthalic Anhydride originating in or exported from Indonesia pending investigations.
21. The authority considered recommending the amount of Anti-Dumping Duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to domestic industry. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the non-injurious selling price of the Petitioner Company, determined for the period of investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. It is considered necessary to impose antidumping duty, provisionally, pending final determination on all imports of Phthalic Anhydride originating in or exported from Indonesia pending further investigation.
22. Accordingly, the Authority recommends that provisional duties be imposed, on all imports of Phthalic Anhydride originating in or exported from Indonesia. The Anti-Dumping duty shall be the amounts indicated in the table below, to be imposed from the date of Notification to be issued in this

regard by the Central Govt. on all the imports of Phthalic Anhydride falling under Chapter 29 of the Customs Tariff, originating in or exported from the country mentioned below: -

S. No.	Exporters/	Amount (Rs. per MT)
1.	<b>INDONESIA:</b> All Exporters	786

23. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

L. **FURTHER PROCEDURE:**

24. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings: -
- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
  - (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
  - (c) The Authority would provide opportunity to all the interested parties for oral submissions to be rendered thereafter in writing.
  - (d) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
  - (e) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority